



Phone : 6455

वाग्देवी प्रकाशन
VAGDEVI PRAKASHAN

सुगन निवास, चन्दन सागर, बीकानेर-334 001
Near Chandan Sagar Well, BIKANER

19/8/88

आदरणीय राजा साहब,

हमारी पुस्तक 'आवाज़ इतनी पहचानी कि लगी अपनी'
का आवरण डिजायन के लिए जो आपने हमें जोर दे दिया है
उसके लिए आभारी हूँ।

हम यह जानते हैं कि आपकी नामना के अक्षरों
उसे हम नहीं छपवा पाये - लेकिन हमने पूरी कोशिश की कि
यों बढ़िया मुद्रित हो।

हम इस आवरण के लिए जद्-जद् और
जोरवान्तिन हैं।

आपका

दीपचन्द

(दीपचन्द साखला)